डी .ए .वी .पब्लिक स्कूल ठाणे

वैदिक चेतना शिविर 2021

दिनांक -5.4.2021

प्रतिवर्ष डी.ए.वी. विद्यालय में वैदिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए और बच्चों के सशक्त चरित्र निर्माण के लिए वैदिक चेतना शिविर का आयोजन किया जाता रहा है, जिससे बच्चे अपनी चेतना को जागृत करें और वैदिक विचारों और वास्तविक ज्ञान को करीब से जान सकें | वैदिक चेतना शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वैदिक मूल्य परंपराओं से अवगत कराना एवं मानवीय मूल्यों का संचार करना है | इसी क्रम में डी .ए .वी .पब्लिक स्कूल ठाणे में दिनांक05.4.2021 सोमवार के दिन वर्चुअल वैदिक चेतना शिविर का आयोजन किया गया | विद्यालय के नए सत्र के प्रथम दिन में आठवीं से नवमी कक्षा में गए हुए छात्रों के लिए "वैदिक भावना का जागरण" एक अद्भुत प्रयास रहा | आठवीं कक्षा से नवमी कक्षा में गए हुए लगभग ४०० विद्यार्थियों ने इस शिविर में हिस्सा लिया |

शिविर की शुरुआत ओऽम् के ध्वजारोहण के साथ गायत्री मन्त्र के गान के साथ हुई |तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या जी ने वैदिक चेतना शिविर की आवश्यकता एवं जीवन में इसके योगदान के बारे में बताते हुए वैदिक चेतना शिविर के आरंभ की घोषणा की |दीप प्रज्ज्वलन के बाद बच्चों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में मन्त्रोच्चार किया | "हवन का जीवन में महत्त्व" इस विषय पर बच्चों को जानकारी दी गयी |

इस कार्यक्रम में बच्चों को आर्य समाज के नियमों की व्याख्या बताई गई |अनेक प्रकार के भजनों का कार्यक्रम भी हुआ |संगीत शिक्षकों द्वारा अत्यधिक कर्णप्रिय संगीत सुनकर छात्र और अभिभावक मन्त्रमुग्ध हो उठे | मानवीय मूल्यों पर आधारित कथा वाचन भी की गई | बच्चों को क्षमा मांगना और क्षमा करना इन - दोनों बातों का महत्त्व समझाया गया | बच्चों ने स्वयं भी निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया- i) मंत्रोच्चारण - इसके अंतर्गत इन्होंने भोजन मंत्र सीखा | उसका जीवन में प्रयोग का कारण भी सीखा | ii) ओ३म् ध्वनि - सभी बच्चों ने मिलकर ओ३म् का उच्चारण किया, साथ ही कैसे यह ओ३म जप जीवन में सकारात्मक सोच तथा ऊर्जा उत्पन्न करती है इसके बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया | iii) भजन गायन -बच्चों ने भी भजन गायन किया |iv) गृह-सज्जा की वस्तुएं - कुछ बच्चों ने ओ३म् लिखकर गृह-सज्जा की वस्तुएं तैयार की |v) वैदिक प्रश्नोत्तरी - साथ ही साथ वैदिक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बहुत बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया |vi) सहभोज- बच्चों को सहभोज का महत्त्व भी बताया गया | vii) श्रम दान -श्रम दान की शुरुआत घर से होती है ये सीखाया गया |कार्यक्रम की समाप्ति पर बच्चों ने अपने अभिभावक के चरण स्पर्श किए |बाद में बच्चों ने अपने घर वालों को भोजन परिवेशन का काम भी किया | कुछ अभिभावकों ने भी इस कार्यक्रम के विषय में अपने विचार रखे और डी.ए.वी परिवार के द्वारा किए जा रहे इस तरह के कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की | धन्यवाद ज्ञापन और शांतिपाठ के साथ वैदिक चेतना शिविर की समाप्ति की घोषणा की गयी |

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
वैदिक चेतना शिविर - 2020

, ठाणे

डी.
, ठाणे

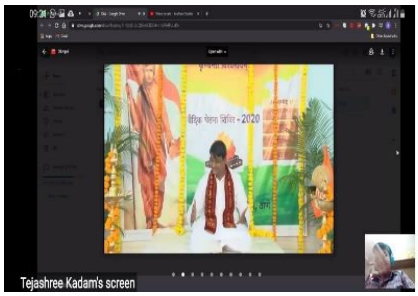

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
वैदिक चेतना शिविर - 2020

, ठाणे

वैदिक चेतना शिविर २०२०
डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल ठाणे

डी.
, ठाणे

Tejashree Kadam's screen

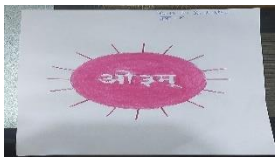

Needhi Ghogare
Sarita Singh
DHANYA SHETTY
BANUMATHI K

ओउम

ओ३म्

ओ३म

Zoom
Leave
Shuchi Choudhary
ANUJA GHADIGAONKAR
Unmute
Stop Video
Share
Shaan Jain
Participants
More